प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 5 जून, 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में विश्वपर्यावरण दिवस के अवसर पर के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस द्वारा विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के सहयोग से विभिन्न समारोह आयोजित किये गए।

सर्वप्रथम चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीयों द्वारा औषधिय पौधों का रोपण किया गया तत्पश्चात पैरामेडिकल एवं नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के परिसर में एक जागरूकता रैली निकाली गई जो प्रशासनिक भवन से चलकर पर्यावरण विभाग होते हुए कलाम सेण्टर पर आकर समाप्त हुई। उक्त रैली को कुलपति महोदय द्वारा झण्डा दिखाकर रवाना किया गया। इसके उपरांत **विश्वविद्यालय पर्यावरण विभाग में भी वृक्षा रोपण** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पैरामेडिकल के विद्यार्थियो द्वारा कलाम सेण्टर के बाह्य परिसर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा के लिए सकरात्मक संदेश दिया गया एवं प्रचार वाक्य (स्लोगन) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अपराह्न 12:00 बजे कलाम सेण्टर मे पर्यावरण दिवस के अवसर पर **"कनेक्टिंग पीपुल्स टू द नेचर"** पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान वन संरक्षक उत्तर प्रदेश डॉ0 रूपक डे एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य वन संरक्षक श्री ओ0पी0 सिंह, संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट द्वारा की गई। संगोष्ठी के स्वागत समारोह में पैरामेडिकल साइंस के अधिष्ठाता **प्रो0 विनोद जैन** ने कहा की पर्यावरण की रक्षा करना हम सब की जिम्मेदारी है, जलवायु वन एवं वातावरण को संरक्षित रखना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि हमारा धर्म भी है। इससे हमारे आने वाली पीढ़ी सुखमय जीवन व्यतीत कर सकेगी। उन्होने अह्वान किया कि हम सब पर्यावरण का संरक्षण करके मानव सेवा का संकल्प लें।

संगोष्ठी में **प्रो0 कीर्ति श्रीवास्तव** प्रभारी पर्यावरण सेल द्वारा कचरा प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह न केवल चिकित्सालय मे बल्कि अन्य स्थानो पर भी कचरा प्रबंधन की आवश्यकता है। आज समाज मे डिस्पोजबल समान का उपयोग लगभग 80 प्रतिशत के करीब बढ़ा है इस को कम करने की जरूरत है। वाहनो द्वारा बढ़ते हुए वायु प्रदुषण को कम करने के लिए हमे साइकिल का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए।

गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि **मुख्य वन संरक्षक श्री ओ0पी0** सिंह ने कहा कि पुरातन काल से ही भारतवर्ष में पौधों एवं जन्तु संरक्षण की दृष्टि से इनको देवी-देवताओं के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है उन्होने इस मौके पर एक दृष्टांत देकर बताया की 30 वर्ष का पीपल का वृक्ष जिसकी प्रत्यक्ष हमे कीमत 4 से 5 हजार मिलती है परंतु परोक्ष रूप से इसकी कीमत 30 लाख होती है क्योकि यह वायुमण्डल को आक्सीजन तथा नमी प्रदान करता है और उससे हानिकारक कार्बनडाई अक्साइड को अवशोषण करता है।

इस मौके पर **प्रधान वन संरक्षक डॉ0 रुपक डे** ने बताया कि आबादी के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश दुनिया का छठवा बड़ा देश होता। प्रदेश का वन क्षेत्र 16580 वर्ग मीटर जिसका संरक्षण करके हम जन समान्य की सेवा कर सकते है। उन्होने नदी प्रदूषण के ऊपर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की जाने अनजाने में मानव ने यमुना नदी को दिल्ली से लेकर इटावा तक एक बड़े नाले के रुप में परिवर्तित कर दिया है। हम लोग प्रकृति से पाये हुए लाभ का सही मूल्यांकन नही करते है और इसका लगातार अतिक्रमण करते है। यदि यह अतिक्रमण जारी रहा तो भविष्य की स्थिति बड़ी भयावह होगी। **"कनेक्टिंग पीपुल्स टू द नेचर"** के लिए इको टूरिज्म सबसे सार्थक तरीका बताते हुए कहा की उत्तर प्रदेश मे बहुत से ऐसे क्षेत्र है जहां मनुष्य

जाकर प्रकृति का आनंद ले सकते है। इस प्रकार उनमें प्रकृति की संरक्षण की चेतना जागृत होगी।

संगोष्ठी **कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट** ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि एक व्यक्ति लगभग तीन सिलेन्डर आक्सीजन प्रतिदिन प्रयोग करता है जिसकी कीमत 2100 रुपये और 60 साल की आयु तक 60 लाख का आक्सीजन वातावरण से निःशुल्क प्राप्त करता है। परंतु इस प्राकृतिक सम्पदा का हमको भान नही होता है। अतः पर्यावरण संरक्षण हर मनुष्य की जिम्मेदारी है। माननीय कुलपति महोदय ने इस अवसर पर आज के दिन को **"नेचर सेल्फी डे"** के रूप मे मनाने का अह्वान किया। जिससे प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति के साथ अपनी सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करें इससे आप स्वतः प्रकृति से जुड़ जायेंगे। माननीय कुलपति महोदय ने यह भी कहा की पर्यावरण प्रदूषण की 80 से 90 प्रतिशत समस्या कचरा निस्तारण के उचित प्रबंधन से समाप्त हो जायेंगी। इस मौके पर माननीय कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर मे जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में हजारो की संख्या में छायादार वृक्षारोपण किया जायेगा। इसके लिए चिकित्सा विश्वविद्यालय का पर्यावरण सेल तत्पर है।

कार्यक्रम के अंत मे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक **प्रो0 एस0एन0 शंखवार** द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय पर्यावरण विभाग के संकाय सदस्य एवं कर्मचारी तथा अन्य विभागो के वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं पैरामेडिकल तथा नर्सिंग संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 विनोद जैन एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अंकिता जौहरी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रचार वाक्य प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रसस्ति प्रत्र भी दिया गया।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू